भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर (2026-2027)

कक्षा - 9	विषय – हिंदी (पाठ्यक्रम-ब) पाठ्यपुस्तक – गंगा	Date – 17-08-2026
प्रश्न बैंक	पाठ: राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद कवि – तुलसीदास	Note: Pl. file in portfolio

नाम :_____अनुभाग :_____अनुक्रमांक :_____दिनांक: _____

1. परशुराम जनक की सभा में क्यों आए?

उत्तर: परशुराम को जब पता चला कि भगवान शिव का धनुष टूट गया है, तो वे बहुत क्रोधित होकर जनक की सभा में आए। उन्हें शिव-धनुष बहुत प्रिय था। धनुष टूटा हुआ देखकर उन्होंने सभा में उपस्थित राजाओं से कठोर शब्दों में प्रश्न किया और दोषी व्यक्ति को सामने लाने को कहा।

2. परशुराम को देखकर सभा में उपस्थित राजाओं की क्या स्थिति हुई?

उत्तर: परशुराम का भयंकर और क्रोधपूर्ण रूप देखकर सभा में उपस्थित सभी राजा डर गए। वे घबरा गए और परशुराम को प्रणाम करने लगे। कोई भी उनके प्रश्न का उत्तर देने का साहस नहीं कर पा रहा था। सभी लोग उनके क्रोध के कारण बहुत चिंतित और भयभीत थे।

3. राजा जनक ने परशुराम के साथ कैसा व्यवहार किया?

उत्तर: राजा जनक ने परशुराम के साथ बहुत विनम्रता और शिष्टाचार से व्यवहार किया। उन्होंने परशुराम को प्रणाम किया और सीता को भी उनके चरणों में प्रणाम करवाया। इसके बाद उन्होंने परशुराम को पूरी घटना बताई कि सीता के स्वयंवर में शिव-धनुष टूट गया है।

4. सीता और उनकी माता सुनयना की मनःस्थिति कैसी थी?

उत्तर: परशुराम के क्रोध को देखकर सीता और उनकी माता सुनयना बहुत चिंतित हो गई थीं। सीता को एक-एक क्षण बहुत लंबा लग रहा था। सुनयना को डर था कि विवाह की बनी-बनाई बात बिगड़ न जाए। दोनों परशुराम के क्रोध से भयभीत थीं।

5. राम ने परशुराम से किस प्रकार बात की?

उत्तर: राम ने परशुराम से बहुत शांत और विनम्र होकर बात की। उन्होंने कहा कि शिव-धनुष तोड़ने वाला आपका ही कोई सेवक होगा और आप मुझे अपनी आज्ञा दें। राम ने अपने सामर्थ्य का घमंड नहीं किया। उनके व्यवहार से उनकी विनम्रता, मर्यादा और धैर्य दिखाई देता है।

6. लक्ष्मण ने परशुराम की बातों का उत्तर किस प्रकार दिया?

उत्तर: लक्ष्मण ने परशुराम की क्रोधपूर्ण बातों का उत्तर मुस्कुराते हुए और व्यंग्य के साथ दिया। उन्होंने कहा कि बचपन में उन्होंने बहुत-से धनुष तोड़े हैं, लेकिन कभी इतना क्रोध नहीं हुआ। लक्ष्मण निडर थे और अपनी बात तर्क तथा साहस के साथ रखते थे।

7. परशुराम शिवधनुष टूटने पर इतने- क्रोधित क्यों हुए?

उत्तर: परशुराम शिव-धनुष को बहुत महत्वपूर्ण और प्रसिद्ध धनुष मानते थे। जब उन्होंने उसे टूटा हुआ देखा, तो उन्हें बहुत क्रोध आया। वे जानना चाहते थे कि किसने धनुष तोड़ा है। इसी कारण उन्होंने राजा जनक और सभा में उपस्थित लोगों से कठोर शब्दों में प्रश्न किया।

8. "अरध निमेष कलप सम बीता" का क्या अर्थ है?

उत्तर: "अरध निमेष कलप सम बीता" का अर्थ है कि आधा क्षण भी बहुत लंबे समय के समान बीतना। इस पंक्ति में सीता की चिंता और भय को बताया गया है। परशुराम के क्रोध के कारण सीता को विवाह का भविष्य अनिश्चित दिखाई दे रहा था।

9. लक्ष्मण के मुस्कुराने का क्या कारण था?

उत्तर: लक्ष्मण परशुराम की क्रोधपूर्ण बातों से डरे नहीं। वे उनकी बातों को सुनकर मुस्कुराए और व्यंग्यपूर्ण उत्तर देने लगे। उन्होंने परशुराम को उनके क्रोध और धनुष के प्रति लगाव के बारे में तर्कपूर्ण बातें कहीं। इससे लक्ष्मण का निडर और निर्भीक स्वभाव दिखाई देता है।

10. परशुराम ने सभा के राजाओं को क्या चेतावनी दी?

उत्तर: परशुराम ने सभा में उपस्थित राजाओं को चेतावनी दी कि जिसने शिव-धनुष तोड़ा है, उसे बाकी लोगों से अलग कर दिया जाए। यदि ऐसा नहीं किया गया, तो वे सभा में उपस्थित सभी राजाओं को मार डालेंगे। उनकी इस चेतावनी से सभा में भय का वातावरण फैल गया।

11. राम और लक्ष्मण के स्वभाव में क्या अंतर दिखाई देता है?

उत्तर: राम शांत, विनम्र, धैर्यवान और मर्यादित हैं। वे परशुराम के क्रोध का उत्तर भी बहुत शांति से देते हैं। इसके विपरीत लक्ष्मण निडर, तेजस्वी और व्यंग्यपूर्ण हैं। वे परशुराम की बातों का तर्कपूर्ण उत्तर देते हैं। इस प्रकार दोनों भाइयों के अलग-अलग स्वभाव दिखाई देते हैं।

12. "राम-लक्ष्मण-परशुराम-संवाद" पाठ से हमें क्या सीख मिलती है?

उत्तर: इस पाठ से हमें सीख मिलती है कि कठिन परिस्थितियों में धैर्य और विनम्रता बनाए रखनी चाहिए। राम का शांत व्यवहार हमें मर्यादा और संयम सिखाता है। लक्ष्मण का साहस और तर्क भी महत्वपूर्ण है। पाठ हमें बताता है कि क्रोध की स्थिति में भी विवेक और समझदारी आवश्यक है।